

उत्तर प्रदेश धर्म/आध्यात्म राज्य

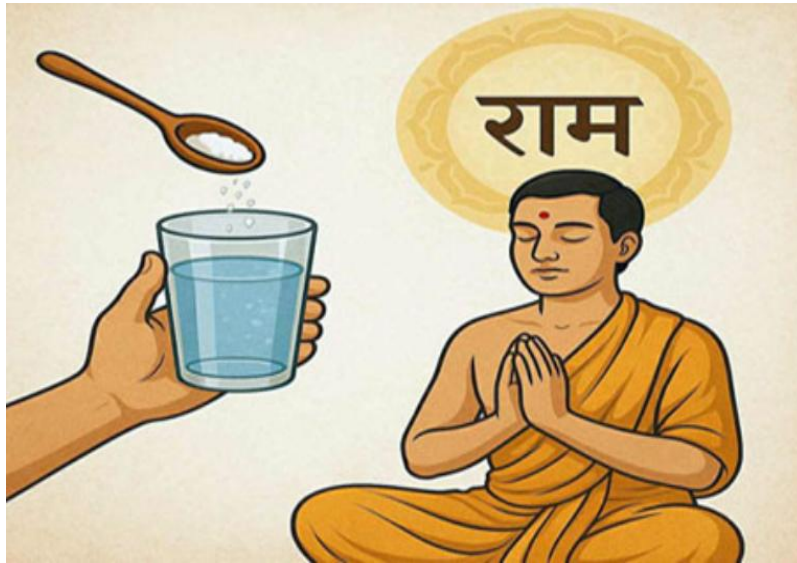
आध्यात्मिक शुद्धिकरण और सुरक्षा के लिए पानी, नमक, नाम का संयोजन



The Lucknow Times

🔥 8 📖 2 minutes read

Lucknow | 02 Aug 2025
DN Verma



—डॉ.भरत राज सिंह

पानी, नमक और नाम का संयोजन एक शक्तिशाली आध्यात्मिक प्रथा है जो हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इस प्रथा के माध्यम से, हम अपने आध्यात्मिक जीवन को शुद्ध और सुरक्षित बना सकते हैं। पानी और नमक का संयोजन अक्सर शुद्धिकरण के लिए उपयोग किया जाता है। जब हम पानी में नमक मिलाकर नाम जाप करते हैं, तो यह हमारे आध्यात्मिक जीवन को शुद्ध करने में मदद करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद करता है।

आध्यात्मिक सुरक्षा

पानी और नमक का संयोजन आध्यात्मिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। जब हम पानी में नमक मिलाकर नाम जाप करते हैं, तो यह हमारे आध्यात्मिक जीवन को सुरक्षित बनाने में मदद करता है। यह नकारात्मक प्रभावों से बचाने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने में मदद करता है।

मानसिक शांति और स्थिरता

नाम जाप के साथ पानी और नमक का संयोजन मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान कर सकता है। यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है और हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

आध्यात्मिक विकास

नाम जाप के साथ पानी और नमक का संयोजन आध्यात्मिक विकास में मदद कर सकता है। यह आत्म-ज्ञान और आध्यात्मिक समझ को बढ़ावा देने में मदद करता है और हमारे आध्यात्मिक जीवन को गहरा बनाने में मदद करता है।

कैसे इसका प्रयोग करें

पानी, नमक और नाम का संयोजन करने के लिए, आप निम्नलिखित चरणों का पालन कर सकते हैं:

1. एक पात्र में पानी भरें।
2. पानी में नमक मिलाएं।
3. नाम जाप करें और पानी में नमक को मिलाते हुए अपने आध्यात्मिक इरादों या अभीष्ट को व्यक्त करें।
4. पानी को अपने घर के बाहर किसी पेड़ या नाली में गिरा दें क्योंकि इसमें नकारात्मक एनर्जी अवशोषित है।
5. नियमित रूप से इस प्रथा को करने से आपको आध्यात्मिक शुद्धिकरण और सुरक्षा का अनुभव हो सकता है।

•जलाभिषेक और ताप नियंत्रण

•श्रावण में विशेष रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, लगातार जलाभिषेक करने से पत्थर का शिवलिंग शीतल बना रहता है और उससे निकलने वाली ऊर्जा संतुलित रहती है। शिवलिंग के ऊपर जल चढ़ाने से उसकी सतह पर उत्पन्न गर्मी का नियंत्रण होता है, जिससे वह स्थिर ऊर्जा उत्सर्जित करता है।

•बेलपत्र, दूध और शहद का प्रयोग

बेलपत्र:बेलपत्र में औषधीय गुण होते हैं, जो वायु विकार, मधुमेह और लीवर रोग में लाभकारी हैं। शिव को बेलपत्र अर्पित करने का वैज्ञानिक कारण यह भी है कि इन पत्तों में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने की उच्च क्षमता होती है।

दूध और शहद:दूध एक शांत करने वाला तत्व है और शहद जीवाणुनाशक गुणों से भरपूर होता है। इन दोनों से शिवलिंग पर अभिषेक करने से वातावरण में शुद्धता आती है।

निष्कर्ष

पानी, नमक और नाम का संयोजन एक शक्तिशाली आध्यात्मिक प्रथा है जो हमारे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। यह आध्यात्मिक शुद्धिकरण, सुरक्षा, मानसिक शांति और स्थिरता, और आध्यात्मिक विकास में मदद कर सकती है। नियमित रूप से इस प्रथा को करने से आपको आध्यात्मिक लाभ का अनुभव हो सकता है।

आध्यात्मिक प्रथाओं के लिए सुझाव

1. नियमित रूप से नाम जाप करें।
2. पानी और नमक का संयोजन करके अपने आध्यात्मिक जीवन को शुद्ध और सुरक्षित बनाएं।
3. मानसिक शांति और स्थिरता के लिए ध्यान और प्राणायाम का अभ्यास करें।
4. आध्यात्मिक विकास के लिए आत्म-ज्ञान और आध्यात्मिक समझ को बढ़ावा दें।
5. अपने आध्यात्मिक जीवन को गहरा बनाने के लिए नियमित रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का अभ्यास करें।
(लेखक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ में महानिदेशक हैं।)



<https://thelucknowtimes.com/NewsArticle/149394/>